NPS vs UPS

Suggested by- Choudhury Mohammad Ikbal Bahar Yousuf,
Circle Secretary, NUPE Postman MTS, Assam Circle, Karimganj HQ.
Contact - +91-9401028614/ +91-7002316321

যেসব সহকর্মী NPS এবং UPS নিয়ে বিভ্রান্ত, তাদের জন্য একটি সহজ ব্যাখ্যা দিচ্ছি।

যদি কোনো ব্যক্তি ৩০ বছরের সম্পূর্ণ চাকরি জীবন NPS-এর অধীনে থাকে, তাহলে তার জন্য NPS সেরা বিকল্প। কিন্তু যদি কেউ ১০ বৎসর বা ১২ বৎসর এর জন্য পার্মানেন্ট হয় এবং তার চাকরির মেয়াদ কম হয়, তাহলে UPS বেছে নেওয়া উচিত।

কেন NPS এবং কেন UPS তার বিস্তারিত আলোচনা:

এখন ধরুন, আপনার অবসরের সময় আপনার মৌলিক বেতন ₹২,০০,০০০ হবে। UPS-এর ক্ষেত্রে আপনার পেনশন হবে ₹১,০০,০০০, কিন্তু NPS-এ আপনার কর্পাস ₹২-৩ কোটি পর্যন্ত হতে পারে। এর মধ্যে ৬০% আপনি একবারে উইথড্র করতে পারেন এবং বাকি ৪০% দিয়ে পেনশন প্ল্যান নিতে হবে।

এই ৬০% পরিমাণকেও আপনি SCSS (Senior Citizen Savings Scheme) বা SWP (Systematic Withdrawal Plan)-এ বিনিয়োগ করে মাসিক পেনশন নিতে পারেন, অথবা NPS অ্যাকাউন্ট চালিয়ে রেখে কম্পাউন্ডিংয়ের সুবিধা নিতে পারেন। সঙ্গে MIS(monthly income scheme) এর সুবিধা ও নিতে পারবেন।

প্রথম ₹১ কোটি উপার্জন করাই সবচেয়ে কঠিন, কিন্তু একবার হয়ে গেলে কম্পাউন্ডিংয়ের কারণে পরবর্তী ₹১ কোটি তুলনামূলকভাবে দ্রুত তৈরি হয়।

এখন ধরুন, অবসরের সময় আপনার ৬০% পরিমাণ ₹২ কোটি হয়েছে এবং আপনি প্রতি মাসে ₹২ লাখ উইথড্র করছেন, তাহলেও আপনি অন্তত ১০ বছর এটি তুলতে পারবেন।

ভারতে গড় আয়ু ৬৭-৭০ বছর, এবং বর্তমানে ভারত ডায়াবেটিস, হাইপারটেনশন ও ক্যান্সারের কেন্দ্রস্থল হয়ে উঠেছে। এত দূষিত পরিবেশে খুব কম মানুষ দীর্ঘ জীবনযাপন করতে পারবে। তাই এ নিয়ে অতিরিক্ত চিন্তা করার দরকার নেই।

Suggested by- Choudhury Mohammad Ikbal Bahar Yousuf.

এটা সম্পূর্ণ আমার ব্যক্তিগত ধারণা থেকে বলছি তাই এটাকে সরকারি কোন ক্যালকুলেশন হিসাবে নেবেন না।

সরকারের পক্ষ থেকে 30 জুন পর্যন্ত টাইম দেওয়া হয়েছে যে টাইমের মধ্যে NPS to UPS মাইগ্রেশন করার হলে করতে হবে নতুবা এর পরে আর করা যাবে না। তাই নিজ নিজ দায়িত্বে বা Risk-এ স্কিম পছন্দ করবেন।

ধন্যবাদান্তে,
চৌধুরী মোহাম্মদ ইকবাল বাহার ইউসুফ,
সার্কেল সেক্রেটারি, ন্যাশনাল ইউনিয়ন অফ পোস্টাল এমপ্লয়িস পোস্টম্যান এন্ড এমটিএস, আসাম সার্কেল, করিমগঞ্জ হেডকোয়ার্টার, করিমগঞ্জ (শ্রীভূমি),৭৮৮৭১০

NPS vs UPS

Suggested by- Choudhury Mohammad Ikbal Bahar Yousuf,
Circle Secretary, NUPE Postman MTS, Assam Circle, Karimganj HQ.
Contact - +91-9401028614/ +91-7002316321

For those colleagues who are confused about NPS (National Pension System) and UPS (Union Pension Scheme), here is a simple explanation.

If an individual completes their entire 30-year service period under NPS, then NPS is the best option. However, if someone becomes permanent for only 10 or 12 years and has a shorter service tenure, then they should opt for UPS.

Why NPS and Why UPS? A Detailed Discussion:

Let's assume that at the time of retirement, your basic salary is ₹2,00,000. Under UPS, your pension will be ₹1,00,000. However, under NPS, your corpus can range between ₹2-3 crore. Out of this, you can withdraw 60% in a lump sum, while the remaining 40% must be used for a pension plan.

You can invest this 60% amount in SCSS (Senior Citizen Savings Scheme) or SWP (Systematic Withdrawal Plan) to receive a monthly pension. Alternatively, you can continue your NPS account to benefit from compounding. Additionally, you can also take advantage of MIS (Monthly Income Scheme).

Earning the first ₹1 crore is the hardest, but once achieved, the next ₹1 crore accumulates much faster due to compounding.

Now, suppose at the time of retirement, your 60% withdrawal amount is ₹2 crore, and you withdraw ₹2 lakh per month, then you can continue doing so for at least 10 years.

In India, the average life expectancy is around 67-70 years. Moreover, India is increasingly becoming a hub for diabetes, hypertension, and cancer. Given the high levels of pollution, only a few people are likely to live a very long life. Hence, excessive worry about this matter is unnecessary.

This is purely my personal opinion, so do not consider it an official government calculation.

Suggested by- Choudhury Mohammad Ikbal Bahar Yousuf,

The government has set a deadline of June 30 for NPS to UPS migration. If you wish to switch, you must do so within this period, as it will not be allowed afterward. So, choose your scheme responsibly and at your own risk.

Sincerely,

Choudhury Mohammad Ikbal Bahar Yousuf
Circle Secretary, National Union of Postal Employees (Postman & MTS), Assam Circle,
Karimganj Headquarters, Karimganj (Shribhumi) – 788710

NPS vs UPS

Suggested by- Choudhury Mohammad Ikbal Bahar Yousuf,
Circle Secretary, NUPE Postman MTS, Assam Circle, Karimganj HQ.
Contact - +91-9401028614/ +91-7002316321

जो सहकर्मी NPS (नेशनल पेंशन सिस्टम) और UPS (यूनियन पेंशन स्कीम) को लेकर भ्रमित हैं, उनके लिए एक सरल व्याख्या प्रस्तुत कर रहा हूँ।

यदि कोई व्यक्ति अपनी पूरी 30 साल की नौकरी NPS के तहत पूरी करता है, तो NPS सबसे अच्छा विकल्प है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति केवल 10 या 12 साल के लिए स्थायी होता है और उसकी सेवा अवधि कम होती है, तो उसे UPS चुनना चाहिए।

NPS क्यों और UPS क्यों? एक विस्तृत चर्चा:

मान लीजिए कि रिटायरमेंट के समय आपकी मूल वेतन ₹2,00,000 है। UPS के तहत, आपकी पेंशन ₹1,00,000 होगी। NPS में, आपका कुल फंड (कॉर्पस) ₹2-3 करोड़ तक हो सकता है। इसमें से 60% राशि आप एकमुश्त (लंप सम) निकाल सकते हैं, और बाकी 40% से पेंशन प्लान लेना अनिवार्य होगा।

इस 60% राशि को आप SCSS (सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम) या SWP (सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान) में निवेश कर सकते हैं, जिससे मासिक पेंशन प्राप्त कर सकते हैं। या फिर आप NPS अकाउंट जारी रखकर कंपाउंडिंग का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, MIS (मंथली इनकम स्कीम) का भी लाभ ले सकते हैं।

पहला ₹1 करोड़ कमाना सबसे कठिन होता है, लेकिन एक बार यह हो जाए, तो कंपाउंडिंग की वजह से अगला ₹1 करोड़ जल्दी बनता है।

अब मान लीजिए, रिटायरमेंट के समय आपकी 60% राशि ₹2 करोड़ है, और आप हर महीने ₹2 लाख निकालते हैं, तो भी आप कम से कम 10 साल तक इसे निकाल सकते हैं।

भारत में औसत जीवन प्रत्याशा 67-70 वर्ष है, और वर्तमान में भारत मधुमेह (डायबिटीज), उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कैंसर का केंद्र बनता जा रहा है। इतनी प्रदूषित परिस्थितियों में बहुत कम लोग दीर्घायु हो पाएंगे। इसलिए इस विषय में अधिक चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

यह पूरी तरह से मेरी व्यक्तिगत राय है, इसे सरकारी गणना के रूप में न लें।

सरकार ने 30 जून तक का समय दिया है, यदि NPS से UPS में माइग्रेशन करना हो तो इस समय सीमा के भीतर कर लें, अन्यथा बाद में यह विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। इसलिए, अपनी जिम्मेदारी और जोखिम पर सही योजना का चुनाव करें।

सादर,
चौधरी मोहम्मद इकबाल बहार यूसुफ
सर्कल सचिव, नेशनल यूनियन ऑफ पोस्टल एम्प्लॉइज (पोस्टमैन और MTS), असम सर्कल
करिमगंज मुख्यालय, करिमगंज (श्रीभूमि) - 788710

Suggested by- Choudhury Mohammad Ikbal Bahar Yousuf,